## पंजीकरण फार्म

नामःश्री0 / कु0 / डा0 / प्रो0ः

.....

.....

पदनामः.....

.....

शोधपत्र का शीर्षक.....

.....

.....

विश्वविद्यालय / संस्थान / कालेजः

.....

.....

.....

फोन नम्बरः

.....

मोबाइल

नं0:.....

फैक्स कोडः.....

नम्बरः.....

ई.मेलः.....

दिनांक.....

प्रतिभागी के हस्ताक्षर

डिमाण्ड ड्राफ्ट : वित्त आधिकारी, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के पक्ष में देय होगी।

पंजीकरण शुल्क :–500 / – नगद / ड्राफ्ट

नोटः– पंजीकरण फार्म के प्रिंट आउट एवं फोटो कापी का प्रयोग किया जा सकता है।

### संरक्षक
प्रो0 एम0 पी0 दुबे
कुलपति
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

### संगोष्ठी निदेशक
प्रो. सुधांशु त्रिपाठी
प्रभारी निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा,

### संयोजक
डॉ. इति तिवारी
एसोसिएट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा,

### सह–संयोजक
सुनील कुमार
असिस्टेंट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा,

### आयोजन सचिव
डॉ. संतोषा कुमार
एसोसिएट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा,

### सह–आयोजन सचिव
रमेश चन्द्र यादव
परामर्शदाता, समाज विज्ञान विद्याशाखा,

### समन्वयक
डॉ. दीपशिखा श्रीवास्तव
डॉ. अल्का वर्मा
परामर्शदाता, समाज विज्ञान विद्याशाखा

# भूमण्डलीकरण एवं गॉधी चिन्तन

**30 जनवरी 2018**
**(मंगलवार)**

## आयोजक
समाज विज्ञान विद्याशाखा
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

### आयोजन स्थल – सरस्वती परिसर
उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, शान्तीपुरम्
(सेक्टर–एफ),फाफामऊ
इलाहाबाद – 211021 (उ0प्र0)


दूरभाषः–
07525048003,7525048031,,7525048032,
7525048034,7525048035,7525048148

**E. mail Id:**
nsmgsos2018@gmail.com
Website:www.uprtou.ac.in

## संगोष्ठी के बारे में:–

गॉधी हमारे राष्ट्रीय धरोहर के महत्वपूर्ण अंग है। वे भारत के एक ऐसे व्यक्तित्व हैं जिनके विचारों, सिद्धान्तों, आदर्शो, सादगीपूर्ण जीवन, मानवीय मूल्यों एवं नैतिकता को वैश्विक स्तर पर सार्वभौमिक रूप से स्वीकार एवं आत्मसात किया जाता है। वे भारत तथा संपूर्ण विश्व का निर्माण, सत्य एवं अहिंसा के नैतिक आदर्शो पर करना चाहते थे। महात्मा गॉधी ने राजनीति, समाज, अर्थ, धर्म आदि विभिन्न क्षेत्रों में जो आदर्श एवं मानक स्थापित किये तथा उन्हीं के अनुरूप लक्ष्य प्राप्ति के लिए स्वयं को समर्पित ही नहीं किया बल्कि देश की जनता को भी प्रेरित किया। उनकी दृष्टि संपूर्ण विश्व के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करती है। वे एक प्रेरणा एवं प्रकाश पुंज के रूप में उन सभी समस्याओं का मार्गदर्शन करते हैं जिनका सामना व्यक्ति,समाज तथा राष्ट्र को करना पड़ता है। उन्होने एक ऐसे भारत का सपना देखा था जिसमें गरीब से गरीब यह अनुभव कर सके कि भारत उसका अपना देश है। उनके सपने का स्वराज्य गरीबों का स्वराज्य है।

भूमण्डलीकरण का वैचारिक आधार बाजार,रूढिवाद या नव–उदारवाद है। वह इस मान्यता पर आधारित है कि अर्थव्यवस्था की सभी प्रक्रियाओं का संचालन एवं नियमन बाजार की शक्तियों पर छोड़ देना चाहिए तथा राज्य की अर्थव्यवस्था में कम से कम हस्तक्षेप करना चाहिए। भूमण्डलीकरण एक सांस्कृतिक व्यवस्था की उद्भव की विवेचना है। यह अनक विविध सामाजिक एवं सांस्कृतिक विधाओं का परिणाम है। वर्तमान समय में इसने जीवन के अनेक पक्षों को प्रभावित किया है। प्रसिद्ध समाजशास्त्री एन्थोनी गिडेन्स के अनुसार "आज सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक सम्बन्ध ऐसे है जो राष्ट्रीय सीमाओं को लॉघकर देशों के बीच की दशाओं और भाग्य को निर्धारित करती है। ऐसे संक्रमण काल में गॉधी चिन्तन एवं उनके विचारों की प्रासंगिकता की ओर ध्यान आकृष्ट होता है। श्री मन्नारायण के शब्दों में "आज के मानव के सभी दुखों को दूर करने की एकमात्र रामबाण औषधि गॉधीवाद है।" आवश्यकता इस बात कि है कि वैज्ञानिक एवं निरपेक्ष दृष्टि से उनके विचारों का सम्यक मूल्यांकन किया जाना चाहिए। उनकी सार्वभौमिकता एवं समसामयिकता सर्वविदित है जिसको दृष्टिगत रखते हुए इस एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में विभिन्न विषयों पर गहन एवं गंभीर विचार किया जायेगा।

## संगोष्ठी के महत्वपूर्ण विषय निम्नवत् हैं:

1. भूमण्डलीकरण एवं भारतीय संस्कृति।
2. भूमण्डलीकरण, गॉधी एवं उनके राजनीतिक विचार।
3. भूमण्डलीकरण, गॉधी एवं धर्म।
4. गॉधी जी के आर्थिक विचार एवं भूमण्डलीकरण।
5. गॉधी जी के नैतिक विचार एवं भूमण्डलीकरण।
6. भूमण्डलीकरणए गॉधी एवं सामाजिक न्याय।
7. गॉधी जी एवं पत्रकारिता।
8. गॉधी जी एवं पर्यावरण।
9. गॉधी जी, मानवाधिकार एवं भूमण्डलीकरण।
10. भूमण्डलीकरण एवं गॉधी के शैक्षिक विचार।
11. गॉधी जी एवं विश्व शांति।

## संभावित प्रतिभागी

शोध–छात्र, विद्यार्थी, प्राध्यापक, संकाय सदस्य (फेकल्टी–मेम्बर्स) तथा इस पृष्ठ–भूमि से सम्बन्धित विद्वान आदि।

## महत्वपूर्ण तिथियाँ

शोध सारांश (Abstract) भजने की अंतिम तिथि : **25.01.2018** पूर्ण रूप से शोध पत्र भेजने की अंतिम तिथि : **28.01.2018**

**Email Id: nsmgsos2018@gmail.com**

## रजिट्रेशन फीस

**प्रध्यापक, विद्यार्थी एवं शोध छात्र : रू0 500.00**

## यात्रा भत्ता/भोजन एवं ठहरने के लिए

प्रतिभागी अपने यात्रा/रहने का खर्च स्वंय वहन करेंगें। राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद द्वारा केवल जलपान, मध्यान्ह भोजन की व्यवस्था उपलब्ध होगी। आमंत्रित सदस्य/विशेषज्ञों को ही यात्रा–भत्ता एवं अन्य सुविधायें उपलब्ध होगी।

## सलाहकार समिति

1. प्रो. पी.के. पाण्डेय, प्रभारी निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा
2. डॉ. ओम जी गुप्ता, निदेशक, प्रबन्धन विद्याशाखा
3. डॉ. पी.पी. दुबे, कृषि विद्याशाखा
4. डॉ. आर.पी.एस. यादव, मानविकी विद्याशाखा
5. डॉ. आशुतोष गुप्ता, निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा
6. प्रो.(डा.)जी. एस. शुक्ला, निदेशक, स्वास्थ्य विद्याशाखा
7. श्री एस. पी. सिंह, वित्त अधिकारी
8. डॉ. टी.एन. दुबे, पुस्तकालयाक्ष्यक्ष

## आयोजन समिति

1- डा.विनोद कुमार गुप्त मानविकी विद्याशाखा
2- डॉ0 रुचि बाजपेई मानविकी विद्याशाखा
3- डॉ0 श्रुति, विज्ञान विद्याशाखा
4- डॉ. मीरा पाल, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा
5- डॉ0 ज्ञान प्रकाश यादव, प्रबन्धन विद्याशाखा
6- डॉ0 देवेश रंजन त्रिपाठी, प्रबन्धन विद्याशाखा
7- डॉ. राम जनम मौर्या, सहा0 पुस्तकालयाध्यक्ष,
8- डॉ. दिनेश सिंह, शिक्षा विद्याशाखा
9- डॉ. जी. के. द्विवेदी, शिक्षा विद्याशाखा
10- डॉ0 मुकेश कुमार, शिक्षा विद्याशाखा
11- डॉ. साधना श्रीवास्तव, मानविकी विद्याशाखा
12- सुश्री मारिषा, विज्ञान विद्याशाखा
13- श्री मनोज बलवन्त, विज्ञान विद्याशाखा
14- डॉ. सतीश चन्द्र जैसल, मानविकी विद्याशाखा
15- डॉ. रंजना श्रीवास्तव, शिक्षा विद्याशाखा
16- डॉ. शैलेष कुमार यादव, शिक्षा विद्याशाखा
17- डॉ. स्मिता अग्रवाल, मानविकी विद्याशाखा
18- डॉ. अब्दुल हफीज, मानविकी विद्याशाखा
19- डॉ. गौरव संकल्प, प्रबन्धन विद्याशाखा
20- डॉ दिनेश गुप्ता, विज्ञान विद्याशाखा
21- डॉ. नीता मिश्रा, शिक्षा विद्याशाखा
22- श्री इन्दू भूषण पाण्डेय

## तकनीकी समिति

1. श्री नीरज मिश्रा 2. श्री शिवम मिश्रा
3. श्री धीरज रावत 4. शहबाज अहमद

## विश्वविद्यालय के बारें में

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद की स्थापना वर्ष 1999 में उच्च शिक्षा के प्रचार प्रसार हेतु की गयी है। राज्य की समृद्धि के लिए शिक्षा, अनुसंधान, प्रशिक्षण और राज्य के मानव संसाधन विस्तार में एक सकारात्मक भूमिका अदा करने, प्रदेश की आबादी के एक बडे वर्ग को उच्च शिक्षा तक पहुॅच प्रदान करता है, जिसमें कि विशेष रूप से काम कर रहे लोगों को, कार्योजित महिलाओं, वंचित समूहों के वयस्कों को उच्च शिक्षा प्रदान करना है। विश्वविद्यालय ने दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से हो रही शिक्षा को और अधिक आधुनिक करने के लिए उपग्रह प्रणालियों, वीडियो कान्फ्रेंसिंग, ऑन–लाइन प्राणाली, के माध्यम से विद्यार्थियों को सभी तरह की उपयोगी जानकारी एंव सीखने का प्रबंध किया है जिससे कि सुदूर क्षेत्रों तक लोगों को बिना किसी बाधा के 'गुरूकुल से छात्रकुल, छात्र जहाँ हम वहाँ' के रूप में उपलब्ध हो सके। इस समय विश्वविद्यालय में स्नातक एंव स्नात्कोत्तर स्तर पर कई तरह के उपयोगी तकनीकी एंव प्रबंधन के पाठ्यक्रमों का संचालन होता है। विश्वविद्यालय में समाज विज्ञान विद्याशाखा के अर्न्तगत गॉधी विचार एवं अध्ययन एवं ग्रीन सोशल वर्क जैसे महत्वपूर्ण विषयों का संचालन किया जा रहा है। विश्व अपने उद्देश्यों को पूर्ण करने की दिशा में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। विश्वविद्यालय सम्पूर्ण प्रदेश में ज्ञान का प्रकाश फैलाने एवं अपने उद्देश्यों को पूर्ण करने की दिशा में सक्रिय भूमिका निभा रहा है।